GOVT. OF INDIA- RNI NO. UPBIL/2014/56766
UGC Approved Care Listed Journal
ISSN 2348-2397

ESV

शोध सरिता

An International Multidisciplinary Quarterly
Bilingual Peer Reviewed Refereed Research Journal

• Vol. 8 • Issue 29 • January to March 2021

Editor in Chief
Dr. Vinay Kumar Sharma
D. Litt. - Gold Medalist

SANCHAR
Educational & Research Foundation

Scanned with OKEN Scanner

	शिक्षक उत्तरदायित्व मापनी	स्वप्नल भट्ट डॉ0 सुषमा अग्रवाल	71
	भारतीय संविधान के निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की अवधारणा : एक अवलोकन	सोनी यादव	75
	व्यक्तित्व एवं व्यावसायिक आकांक्षा	सोना राम वर्मा डॉ0 बशीर हसन	80
	झारखण्ड की अनुसूचित जनजाति की साक्षरता बदहाली : विश्लेषण एवं समाधान	डॉ0 ओशिमा हाती संध्या सिन्हा	84
	भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) के वित्तीय नियोजन एवं संगठनात्मक ढाँचे का अध्ययन	मंदाकनी चन्द्रा डॉ0 विजय कुमार अग्रवाल	89
.	डॉ0 अम्बेडकर के एकलव्य पं0 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	डॉ0 अनिल कुमार मिश्र	94
.	भारतीय राजनीति और मीडिया	डॉ0 अंशुबाला	98
I.	उच्चशिक्षा : वर्तमान एवं भविष्य दृष्टि	डॉ0 आशा हर्बोला डॉ0 चन्द्रा खत्री	103
5.	समावेशी शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का अवलोकन	डॉ0 मनीषा चौहान	106
6.	माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके माता–पिता के संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन	डॉ0 विशाखा शुक्ला मंजू देवी	110
27.	जनजातियों में प्रव्रजन के आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन	डॉ0 विद्या वर्मा भीम सिंह रावत	114
28.	गुप्तकाल में वैष्णव धर्म : एक अनुशीलन	भरत सिंह	120
29.	इस्लामी इतिहास लेखन परम्परा का : एक समीक्षात्मक अध्ययन	रेनू देवी डॉ0 अमिता शुक्ला	125
30.	स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में विश्व शांति की अवधारणा	डॉ० सोमा दास	130
31.	ब्रज चौरासी		

ISSN - 2348-2397
UGC CARE LISTED JOURNAL
ESV

शोध सरिता

AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

January-March, 2021
Vol. 8, Issue 29
Page Nos. 84-

झारखण्ड की अनुसूचित जनजाति की साक्षरता बदहाली : विश्लेषण एवं समाधान

डॉ० ओशिमा ...
संध्या मिश्र...

शोध सारांश

साक्षरता किसी स्थान की जनता की उन्नति और वहां की सुसंगत व्यवस्था की सूचक होती है। शिक्षा किसी व्यक्ति का मौलि... अधिकार है। भारत के नव–निर्मित राज्य (15/11/2000) झारखण्ड की अनुसूचित जनजाति मे साक्षरता का अभाव यहाँ के पिछड़ा... के संकेत देता है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के अनुसार, अनुसूचित जनजातियाँ वे आदिवासी या आदिवासी समुदाय या इ... आदिवारियों और आदिवारी समुदायों का भाग या उनके समूह हैं जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा एक सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा घोषित कि... गया है। झारखण्ड राज्य के मूल निवासी आदिवासी ही इस राज्य की विशिष्ट पहचान हैं ये साक्षरता की मुख्यधारा में नहीं है। किसी... समाज या समुदाय मूल निवासियों की स्थिति उस समाज या समुदाय के वास्तविक विकास की कहानी कहती है। प्रस्तुत शोध... झारखण्ड की अनुसूचित जनजाति साक्षरता के निम्न होने की स्थिति और कारणों का विश्लेषण किया जायेगा। कारणों कि पहचान... साथ साक्षरता बहाल करने के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी।

Keywords : अनुसूचित जनजाति, साक्षरता दर, साक्षरता दर की तुलनात्मक स्थिति, निम्न साक्षरता दर के कारण, उपाय।

विधि – मात्रात्मक एवं गुणात्मक, आंकड़ा विश्लेषण का आधार द्वितीयक आंकड़े होंगे।

(प्रस्तुत पत्र में आंकड़ा विश्लेषण का आधार द्वितीयक आंकड़े होंगे। इसके अध्ययन और विश्लेषण के लिए भारत, झारखण्ड, झारखण्ड के जिलों, महिला, पुरुष, ग्रामीण और नगरीय साक्षरता और अनुसूचित जनजाति की साक्षरता के आंकड़े लिए गए हैं।

सूचक – अनुसूचित जनजाति में साक्षरता लिंगभेद, ग्रामीण और नगरीय साक्षरता लिंगभेद, सामान्य और अनुसूचित जनजाति की साक्षरता दर की तुलना।

मुख्य स्रोत – जनगणना सूची 2011, एन.एस.एस.ओ. 71 राउंड सर्वे 2014, विद्यालय शिक्षा की सांख्यिकी 2011–12, आर्थिक सर्वे 2017–18 भारत सरकार)

सीमा – अध्ययन का आधार मुख्यतः 2011 की जनगणना सूची होगी, इसका मुख्य कारण यह है कि झारखण्ड 2000 ई० के मध्य में स्वतंत्र राज्य के अस्तित्व में आया और राज्य बनने के बाद अनेक नए जिले बने। अतः जिलावार सम्यक आंकड़े 2011 में प्राप्त होते है।

उद्देश्य

1. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों का सम्पूर्ण परिचय प्राप्त करना। समाजार्थिक स्थिति का आकलन करना।
2. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों की समाजार्थिक स्थिति का आकलन करना।
3. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रो में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता की स्थिति का आकलन करना।
4. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रो में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता की तुलनात्मक स्थिति का आकलन करना।
5. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रो में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता के बाधक तत्वों का आकलन करना।
6. झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रो में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता के बाधक तत्वों को दूर करने के लिए सरकारी और गैर सरकारी योजनाओं और प्रयासों के कार्यान्वयन, सफलता और असफलता का आकलन करना।

*विभागाध्यक्ष – विजयपाल मेमोरियल बी. एड. आसनसोल
**शोधार्थी (नेट उत्तीर्ण), शिक्षा, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी, इंदौर

Scanned with OKEN Scanner